

काँसुला पुं. (तद्.) सुनारों के पास घुंड़ी आदि बनाने के काम में आने वाला काँसे का चौकोर टुकड़ा।

का सर्व. (तद्.) 1. क्या 2. संबंध कारक की विभक्ति।

काइलिया वि. (तत्.) 1. भीरु, कायर या भयभीत 2. अधीर, आकुल।

काई स्त्री. (तद्.) 1. जल या सीलन में होनेवाली एक प्रकार की महीन घास 2. खड़े पानी के ऊपर आनेवाली हरीपत्तियों की एक घास 3. सेवार मुहा. काई छुड़ाना- मैल दूर करना, दुख दूर करना; काई सा फट जाना- तितर बितर हो जाना, छँट जाना।

काएनात स्त्री. (अर.) सृष्टि, संसार उदा. जिससे है कायम यह कुल काएनात -कबीर।

काक पुं. (तत्.) 1. कौआ 2. एक द्वीप 3. कौओं की तरह पानी में केवल सिर डुबा कर स्नान करना 4. धूर्त व्यक्ति 5. ढीठ, व्यक्ति 6. एक प्रकार की नर्म लकड़ी जिसकी डाट बोटलों में लगाई जाती है, काग।

काकगवेषण पुं. (तत्.) प्रयत्न, अन्होनीवस्तु की खोज।

काकचेष्टा स्त्री. (तत्.) कौए के समान चौकन्ना रहना।

काकजंघा स्त्री. (तत्.) एक वनौषधि, घुंघची।

काकजंबु पुं. (तत्.) कौए के वर्ण की तरह का जंबु फल, काला जामुन, काकफला (वनजामुन)।

काकजात पुं. (तत्.) कोयला।

काकतानीय वि. (तत्.) किसी घटना का केवल संयोगवश होना।

काकदंत पुं. (तत्.) कोई असंभव बात, जिसका अस्तित्व नहीं, बिशे. कौए को दाँत नहीं होते, शशश्रृंग, बंध्यापुत्र आदि की भाँति यह भी असंभववाचक है, व्यर्थचेष्टा।

काकध्वज पुं. (तत्.) बाइवाग्नि।

काकन्याय पुं. (तत्.) किसी घटना का केवल संयोगवश होना जैसे- कौए के बैठते ही ताड़ के पके फल का गिर पड़ना।

काकपक्ष पुं. (तत्.) बालों के पट्टे जो दोनों ओर कनपटियों के ऊपर रहते हैं, जुल्फ उदा. काकपच्छ सिर सोहत नीके -तुलसी।

काकपद पुं. (तत्.) 1. वह चिह्न जो छूटे हुए शब्द के स्थान को सूचित करने के लिए पंक्ति के नीचे बनाया जाता है और वह छूटा हुआ शब्द ऊपर लिख दिया जाता है।

काकपाली स्त्री. (तत्.) कोयल।

काकभुशुंडि पुं. (तत्.) एक ब्राह्मण जो लोमश ऋषि के शाप से कौआ हो गया था। मान्यता है कि काकभुशुंडि रामायण इनकी रचना है।

काकयव पुं. (तत्.) अन्न का पौधा जिसके बाल में दाने न हों।

काकरव वि. (तत्.) कौए की बोलने की 'काँव काँव' आवाज।

काकरेज पुं. (फा.) बैगनी रंग, काले और लाल रंग के मेल से बना हुआ रंग।

काकल पुं. (तत्.) 1. गले में सामने की ओर निकली हुई हड्डी, मुख के अंदर का कौआ, घंटी टेंटुआ 2. पहाड़ी कौआ 3. कंठ की मणि, गले की मणि।

काकला स्त्री. (तत्.) 1. चतुर्दश ताला (संगीत) का एक भेद 2. आयु. काकजंघा नाम की औषधि।

काकली स्त्री. (तत्.) 1. मधुर ध्वनि, कलनाद जैसे- पिय बिनु कोकिल काकली भली अली दुख देत 2. साठी धान 3. घुंघची, गुंजा।

काका पुं. (फा.) 1. पिता का भाई, चाचा 2. चमारों के नाच में करिंगे का वह साथी जिससे वह हास्य, व्यंग्यपूर्ण सवाल-जवाब करता है, इसे 'काका फोकली' भी कहते हैं उदा. काका उसका है साथी नट, गदके उस पर जमा पटापट, उसे टोकता गोली खाकर आँख जाएगी क्यों बे नटखट? भुन न जाएगा भुनगे सा झट, ग्राम्या।

काकातुआ पुं. (देश.) एक प्रकार का बड़ा तोता जो प्रायः सफेद रंग का होता है, विशेषतः इसके सिर पर टेढ़ी चोटी होती है, इस चोटी को यह ऊपर